प्रेस विज्ञप्ति

SCORE Round 2 में पंजाब में AAP आगे लेकिन फिसलती हुई, SAD और वारिस पंजाब दे ने बढ़ाई पकड़

बेंगलुरु, 16 नवंबर 2026: अगर आज चुनाव होते तो पंजाब में आम आदमी पार्टी (AAP) की जीत होती, हालांकि एक महीने पहले की तुलना में उसके वोट शेयर में 3 प्रतिशत अंकों की गिरावट आई है। यह SCORE पंजाब ओपिनियन पोल Round 2 के निष्कर्ष हैं।

ओपिनियन पोल के अनुसार अगर 15 नवंबर को चुनाव होते तो AAP को 66-79 सीटें मिल सकती थीं, जबकि 15 अक्टूबर को यह आंकड़ा 69-82 सीटों का था। दोनों ही स्थितियों में पार्टी बहुमत के आंकड़े 59 से काफी ऊपर है। वोट शेयर में तीन प्रतिशत अंकों की यह गिरावट अहम है, यह 38% से घटकर 35% रह गया है।

> **"AAP अब भी महिलाओं के समर्थन की वजह से टिकी हुई है, जबकि पुरुषों में उसका समर्थन और घटा है। लेकिन AAP को केवल कल्याणकारी योजनाओं से ही नहीं, बल्कि बंटे हुए विपक्ष से भी फायदा मिल रहा है। इसकी वजह यह है कि अकाली-भाजपा गठबंधन हालात को नाटकीय रूप से बदल सकता है," SCORE के संस्थापक नरेश अरोड़ा ने कहा।**

हर विधानसभा सीट के पूरे नतीजे SCORE की वेबसाइट www.scoreintelligence.in पर उपलब्ध हैं।

SCORE पंजाब ओपिनियन पोल Round 2 एक ऐसी मौजूदा सरकार की तस्वीर पेश करता है जो अब भी आगे है, लेकिन ज़मीन खो रही है, खासकर पुरुषों, युवा मतदाताओं और सिख मतदाताओं में और माझा क्षेत्र में। एक चौथाई से ज़्यादा मतदाताओं के अनिर्णीत होने और 39 सीटों पर कांटे का मुकाबला होने के कारण ये निष्कर्ष मौजूदा राजनीतिक स्थिति का आकलन हैं, अंतिम नतीजे का पूर्वानुमान नहीं। SCORE अपने पंजाब ट्रैकर पोल का Round 3 15 दिसंबर 2026 को जारी करेगा।

अगर SAD और BJP हाथ मिला लें तो?

पोल में 15 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच 28,186 उत्तरदाताओं से विशेष रूप से पूछा गया कि अगर अकाली-भाजपा गठबंधन की घोषणा होती है तो क्या वे उसे वोट देंगे। हर सीट के जवाबों को अलग से देखने पर पोल में पाया गया कि अगर आज गठबंधन होता, तो अकाली-भाजपा की मौजूदा 15 सीटें (BJP 8, SAD 7) बढ़कर 34 सीटें (दायरा 24-39) हो सकती हैं, और उनका संयुक्त वोट शेयर 29.4% होगा, जो दोनों दलों के अलग-अलग 28.5% से थोड़ा ज़्यादा है। AAP फिर भी जीतेगी, लेकिन उसकी सीटों का दायरा घटकर 62-74 सीटें रह जाएगा।

गठबंधन के रूप में SAD-BJP, AAP से 5 सीटें, कांग्रेस से 6 सीटें, मौजूदा बराबरी वाली सात सीटें और अकाली दल (वारिस पंजाब दे) से एक सीट छीन सकते हैं। गठबंधन माझा में AAP से आगे रहेगा (33.3% बनाम 31.3%) और पुरुषों में भी (33.6% बनाम 21.3%)।

OFFICE: SSR-B Building, No.12, First Floor, Achaiah Chetty Layout, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore, Karnataka-560080 | contact@scoreintelligence.in

पंजाब के 23 जिलों में से सात में भी वह आगे रहेगा: अमृतसर, पठानकोट, तरनतारन, फाजिल्का, फिरोजपुर, SAS नगर और श्री मुक्तसर साहिब।

> **"ये संख्याएं काल्पनिक अनुमान हैं, यानी अगर 15 नवंबर को चुनाव होते तो क्या होता। Round 1 से आए बदलाव दिखाते हैं कि यह चुनाव उतार-चढ़ाव के दौर में है। बहुत कुछ बदल सकता है और हम हर महीने इस बदलाव पर नज़र रखेंगे," नरेश अरोड़ा ने कहा।**

पिछले महीने से बड़े बदलाव

AAP का वोट शेयर 35% है, जो अक्टूबर में 38% और 2022 के विधानसभा चुनाव में 42% था। Round 1 के बाद से 117 में से 99 विधानसभा क्षेत्रों में उसका वोट शेयर गिरा है।

कांग्रेस 23.5% वोट शेयर और 12-29 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है।

SAD 14.5% वोट शेयर और 5-9 सीटों तक पहुंच गया है, जबकि अक्टूबर में यह 12.5% और 2-6 सीटें था। अब वह वोट शेयर में भारतीय जनता पार्टी (BJP) से थोड़ा आगे है।

BJP 14% वोट शेयर और 4-12 सीटों पर स्थिर है।

अमृतपाल सिंह के नेतृत्व वाले अकाली दल (वारिस पंजाब दे) का वोट शेयर 8.5% से बढ़कर 11% हुआ है, हालांकि उसका वोट बहुत फैला हुआ है, इसलिए उसे 0-4 सीटें मिलती दिख रही हैं।

मतदाता 2022 में जिन दलों को वोट दे चुके थे, उनसे अब और मजबूती से जुड़े हैं। BJP को अब अपने 2022 के 69% मतदाता बरकरार हैं, जो अक्टूबर में 49% थे। SAD के 54% (अक्टूबर में 45%) और कांग्रेस के 52% (44%) हैं।

माझा में सबसे बड़ा बदलाव, दोआबा में AAP की पकड़ कायम

माझा में किसी भी क्षेत्र से ज़्यादा बदलाव दिखा है। वहां AAP का वोट शेयर 40.8% से गिरकर 31.4% रह गया है, जबकि SAD 9.6% से बढ़कर 15.3% और कांग्रेस 21.6% से बढ़कर 25.0% पर पहुंच गई है। पंजाब की नौ बराबरी वाली सीटों में से छह अब माझा में हैं। यही वह क्षेत्र भी है जहां AAP को लैंगिक अंतर का फायदा सबसे कम है, फिर भी वह 21 प्रतिशत अंकों का ठोस अंतर है।

दोआबा AAP का सबसे मजबूत क्षेत्र बना हुआ है, जहां उसका वोट शेयर 44.3% पर स्थिर है। मालवा में, जिसमें पंजाब की 117 में से 69 सीटें आती हैं, AAP 33.4% पर है, जबकि अकाली दल (वारिस पंजाब दे) बढ़कर 12.1% पर पहुंच गया है। पोल में पहचाने गए 30 कड़े मुकाबलों में से 17 मालवा में हैं।

पुरुष AAP से दूर हो रहे हैं, महिलाएं साथ बनी हुई हैं

लैंगिक खाई चौड़ी हुई है। AAP को महिलाओं में 51.5% समर्थन बरकरार है, जबकि कांग्रेस को 19.0% मिला है, और वह हर आयु वर्ग की महिलाओं में आगे है, 60 वर्ष और उससे अधिक की महिलाओं में यह 62.7% तक पहुंच जाता है।

वहीं पुरुषों में AAP का समर्थन 27.4% से गिरकर 21.2% रह गया है और कांग्रेस 27.3% के साथ आगे है। सबसे तेज़ बदलाव युवा पुरुषों में है: 18-24 वर्ष के पुरुषों में अकाली दल (वारिस पंजाब दे) 26% के साथ आगे है, उसके बाद कांग्रेस 24.7% पर है।

18-24 वर्ष के सभी मतदाताओं में AAP का समर्थन 39% से घटकर 27.5% रह गया है।

सिख मतदाताओं में SAD (18.9%) और अकाली दल (वारिस पंजाब दे) (15.7%) मिलकर 34.6% पर पहुंचते हैं, जो AAP के 31% से आगे है। जट सिख मतदाताओं में अब SAD 26% के साथ आगे है।

भगवंत मान अब भी पसंदीदा मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भगवंत मान 37.1% उत्तरदाताओं की पसंदीदा मुख्यमंत्री पसंद हैं, उनके बाद कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी 15.9%, SAD नेता सुखबीर सिंह बादल 10.5% और अमृतपाल सिंह 8.7% पर हैं। अक्टूबर के बाद से अमृतपाल सिंह अकेले ऐसे नेता हैं जिनका समर्थन उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है, 6.8% से।

मान की निजी अप्रूवल रेटिंग 59.5% है, जो 63.9% थी, जबकि AAP सरकार की अप्रूवल रेटिंग 57.7% से गिरकर 51.7% रह गई है।

नशा अब भी सबसे बड़ी चिंता

नशा राज्य सरकार की सबसे ज़्यादा गिनाई गई नाकामी है, जिसे 29.9% उत्तरदाताओं ने बताया, जबकि अक्टूबर में यह 22.2% था। नशा सबसे बड़ी स्थानीय समस्या भी बना हुआ है, जिसे 33.7% उत्तरदाताओं ने बताया, और माझा में 40.5% ने। यह बढ़ोतरी 13 अक्टूबर को मानसा में नशा-विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह 'झोटा' की हत्या के बाद आई है।

कानून-व्यवस्था को सरकार की सबसे बड़ी नाकामी बताने वालों की हिस्सेदारी 4.5% से बढ़कर 7.2% हो गई है।

सड़कें (13.6%) दूसरी सबसे बड़ी स्थानीय चिंता बनी हुई हैं, उसके बाद जल-निकासी और सफाई है, जो 7.1% से बढ़कर 10.6% हो गई है।

OFFICE: SSR-B Building, No.12, First Floor, Achaiah Chetty Layout, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore, Karnataka-560080 | contact@scoreintelligence.in

कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ी

अब 84.8% परिवारों ने कम से कम एक राज्य सरकार की योजना का लाभ मिलने की बात कही है, जो अक्टूबर में 79.7% थी। मावां धीयां सत्कार नकद हस्तांतरण योजना का लाभ 64.0% परिवारों और 74.8% महिलाओं ने बताया है। 300 यूनिट तक की मुफ्त बिजली अब 61.6% परिवारों तक पहुंच रही है, जो पहले 49.9% थी, और घर-घर राशन योजना 50.2% तक, जो पहले 40.6% थी।

मुफ्त बिजली राज्य सरकार की सबसे ज़्यादा गिनाई गई सफलता बनी हुई है, जिसे 23.8% उत्तरदाताओं ने बताया। इन योजनाओं की बढ़ती पहुंच AAP की मुख्य ताकत बनी हुई है, भले ही शासन पर उसकी रेटिंग फिसली है।

39 सीटें तय कर सकती हैं नतीजा

पोल ने 39 ऐसे विधानसभा क्षेत्र पहचाने हैं जहां जीत-हार का अंतर बहुत कम है, जो अक्टूबर में 22 थे। इनमें से नौ सीटों पर मुकाबला इतना कड़ा है कि किसी भी दल को आगे नहीं कहा जा सकता। ये बराबरी वाली सीटें हैं कादियां, अमृतसर सेंट्रल, अमृतसर ईस्ट, तरनतारन, खेमकरण, पट्टी, जालंधर नॉर्थ, लुधियाना नॉर्थ और फिरोजपुर सिटी। इनमें से आठ में AAP और किसी एक अन्य दल के बीच कांटे की टक्कर है, जबकि जालंधर नॉर्थ में BJP और कांग्रेस बराबरी पर हैं।

अनिर्णीत मतदाताओं की हिस्सेदारी 22.5% से बढ़कर 26.8% हो गई है, जिससे तस्वीर बदलने की काफी गुंजाइश बची है।

एक नज़र में मुख्य निष्कर्ष

- AAP: 35% वोट शेयर; अनुमानित 66-79 सीटें (अक्टूबर: 38%, 69-82 सीटें)।
- कांग्रेस: 23.5% वोट शेयर; अनुमानित 12-29 सीटें।
- SAD: 14.5% वोट शेयर; अनुमानित 5-9 सीटें।
- BJP: 14% वोट शेयर; अनुमानित 4-12 सीटें।
- अकाली दल (वारिस पंजाब दे): 11% वोट शेयर; अनुमानित 0-4 सीटें।
- भगवंत मान: 37.1% पसंदीदा मुख्यमंत्री; 59.5% अप्रूवल रेटिंग।
- AAP को समर्थन: महिलाओं में 51.5%, जबकि पुरुषों में 21.2%।
- सबसे बड़ा बदलाव: माझा, जहां AAP का वोट शेयर 40.8% से गिरकर 31.4% रह गया है।

OFFICE: SSR-B Building, No.12, First Floor, Achaiah Chetty Layout, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore, Karnataka-560080 | contact@scoreintelligence.in

- दांव पर सीटें: 39 (9 बराबरी, 30 कड़े मुकाबले)।
- जनता की सबसे बड़ी चिंता: नशा, जिसे 29.9% उत्तरदाताओं ने राज्य सरकार की सबसे बड़ी नाकामी बताया (अक्टूबर में 22.2%)।
- अनिर्णीत मतदाता: 26.8%।
- अगर SAD और BJP गठबंधन करें: गठबंधन 34 सीटें (24-39), AAP 64 (62-74), कांग्रेस 9 (8-13)।